वर्ष :: 33 अंक : 32
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 07 मई, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

5 करोड़ की थी योजना, 14 करोड़ का दे दिया टेंडर; काम भी भगवान भरोसे

चास नगर निगम में फिर धांधली... विधानसभा की समिति ने बहुद्देश्यीय भवन निर्माण में गड़बड़ी पर उठाए सवाल, डीसी से रिपोर्ट तलब

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो में सरकारी योजनाओं में बड़ी धांधली का एक बार फिर खुलासा हुआ है। मामला चास नगर निगम से जुड़ा है। हालांकि, निगम की गड़बड़ी इसके पहले भी कई दफा सामने आ चुकी है, लेकिन हालिया मामले में अफसरशाही और हेराफेरी का आलम यह है कि जिस योजना के लिए 5 करोड़ रुपए का प्राक्कलन तैयार हुआ था, वह लगभग तीन गुना ज्यादा बढ़ाकर 14 करोड़ रुपये कर दिया गया। इसके लिए बाकायदा टेंडर हुआ और जो काम हो रहे हैं, उसकी गुणवत्ता भी भगवान भरोसे है। इसे झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने काफी संजीदगी से लिया है। समिति ने इस कथित धांधली पर सवाल खड़े किए हैं और जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी से मामले की जांच कराकर रिपोर्ट जल्द सुपुर्द करने को कहा है। बता दें कि विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने दो-दिवसीय बोकारो दौरे के क्रम में यह खुलासा किया। समिति के सभापति निरल पूर्ति और सदस्य अमर बाउरी ने चास नगर निगम के द्वारा बनाए जा रहे बहुउद्देशीय भवन सहित अन्य योजनाओं की जांच की। सभापति ने निगम द्वारा बनाये जा रहे बहुउद्देशीय भवन निर्माण कार्य में गड़बड़ी और 5 करोड़ के प्राक्कलन को 14 करोड़ किए जाने पर सवाल खड़े किए। समिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी नाराजगी जताई और कुछ सैंपल प्लास्टिक में जांच के लिए भरकर ले गई।

नियम के विपरीत कार्य का किया गया आवंटन

इस दौरान समिति ने चास अनुमंडल कार्यालय और वन विभाग के द्वारा नगर वन विश्रामागार के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। वहां भी समिति को काफी गड़बड़ी मिली है। समिति के सभापति ने दोनों ही जगहों पर कार्य में गुणवत्ता और कार्य की गति पर सवाल खड़ा किये हैं। समिति के द्वारा सैंपल भी लिए गए हैं। विधानसभा की समिति के सभापति और सदस्य ने कहा कि नगर निगम के द्वारा बनाए जा रहे 5 करोड़ की लागत से बहुउद्देशीय भवन का प्राक्कलन बनाकर निविदा निकाली गई थी, लेकिन यह निविदा अब 14 करोड़ की हो चुकी है और कार्य भी उसी संवेदक को दिया गया है, जो नियम के विपरीत है। क्योंकि, किसी भी निर्माण कार्य में 25 फीसदी तक ही डेविएशन किया जा सकता है। ऐसे में यह गंभीर जांच का विषय है। कमेटी ने डीसी के माध्यम से रिपोर्ट समिति को भेजने का निर्देश दिया है और समिति के द्वारा विधानसभा में बैठक कर सभी अधिकारियों को पर जवाब देने का भी निर्देश दिया गया है।

'काम में भारी ढिलई'

स्थल निरीक्षण के क्रम में भ्रमण किया। जिन दो जगहों का दौरा किया, दोनों में कहीं भी गुणवत्ता नहीं पाई गई। काम काफी ढ़ीला-शीला है। 'थूक पॉलिश' टाइप का काम हो रहा है, बेढंगा है। उपायुक्त से रिपोर्ट मंगाते हैं। फिर समिति अपने स्तर से इस पर काम करेगी। विधानसभा में रखेंगे। विधानसभा में सभी पदाधिकारियों को बुलाएंगे।

- निरल पूर्ति
सभापति, झारखंड विधानसभा प्राक्कलन समिति।

बड़ा 'गोलमाल', विधानसभा में रखेंगे मामला

प्राक्कलन समिति के सदस्य एवं चंदनकियारी विधायक अमर बाउरी ने कहा कि कमेटी काम से संतुष्ट नहीं हैं। जांच के लिए आदेश दिया गया है। डीसी प्रतिवेदन देंगे और विधानसभा की जो विभागीय बैठक होगी, उसमें इसकी समीक्षा कर मामले को आगे बढ़ाया जाएगा। नगर निगम का पांच करोड़ का ठेका था, जो बढ़ते हुए 14 करोड़ रुपए तक चला गया है। एक ही ठेकेदार को यह ठेका बार-बार दिया जाता रहा। किस परिस्थिति में यह रिवाइज किया गया है? जबकि, मूल प्राक्कलन से 25 फीसदी की ही बढ़ोत्तरी होती है। तिगुना प्राक्कलन भागा है, तो उसकी पूरी जांच होगी। छोटा गोलमाल बड़ा हो जाता है। सैंपल लिया गया है। डीसी को जांच प्रतिवेदन देने को कहा गया है। समिति अपनी तरफ से इसका पूरा अध्ययन कराकर तकनीकी पहलुओं के साथ संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से बात कर निर्णय लेगी और विधानसभा को अवगत कराएगी।

- अमर कुमार बाउरी, सदस्य, झारखंड विधानसभा प्राक्कलन समिति।

पहल

झारखंड में अनूठी मुहिम चला रहे राज्यपाल, गांव-गांव का दौरा कर धरातल पर विकास की खुद ले रहे जानकारी

अब राजभवन गांव-पंचायतों के बीच सीधे जनता तक

संवाददाता

बोकारो : झारखंड में राजपाट की एक नई इबारत रची जा रही है। जनता को राजभवन जाने की जरूरत नहीं, राजभवन अब जनता के बीच पहुंच रहा है। यह अनूठी महा-मुहिम चला रहे हैं महामहिम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। उनका कहना है- 'जब मैंने राज्यपाल के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया, उस दिन हमने यह निर्णय लिया कि लोगों को राजभवन जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि राजभवन को जनता के बीच जाना चाहिए।' बोकारो में राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में अपनी इसी मुहिम के तहत पहुंचे राज्यपाल ने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में ये बातें कही। उन्होंने कहा- 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव के अनुसार हम सभी को गांव का भ्रमण कर धरातल पर विकास की सच्चाई समझनी है, इसलिए मैं लगातार गांवों और पंचायतों में भ्रमण कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि इस भ्रमण के दौरान वह विकास स्पष्ट देख रहे हैं। कहा,

इसमें कोई इनकार नहीं है कि विकास की इस यात्रा में अभी और आगे जाना है, लेकिन जो पहल की गई है और जो काम हुए हैं, वे यह बताते हैं कि हम लोग विकास की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षा युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने का आधार

बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड अंतर्गत राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चपरी के भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा युवा पीढ़ी को अपने पैरों पर खड़ा करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं की मानसिकता, उनका नजरिया बदलने में शिक्षा आधार-स्तंभ की भूमिका निभाती है। शिक्षा की अहमियत को देखते हुए ही हमलोग शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यहां विद्यालय के बच्चों से उनका दोस्त बन घुल-मिलकर उनसे बातें कीं। उनकी पढ़ाई-लिखाई का हाल-चाल जाना, माथे पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और उन्हें दुलारते हुए उनके बीच चॉकलेट भी बांटे। बच्चे भी उनके साथ काफी उत्साहित नजर आए। श्री राधाकृष्णन ने मासूम बच्चों से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त की और स्कूल की पढ़ाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उक्त **(शेष पेज- 7 पर)**

– संपादकीय –

पाकिस्तान को सही जवाब

पाकिस्तान पूरी दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बनकर रह गया है, जो केवल भीख मांगता फिरता है। उसके लोग दो जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। लेकिन, फिर भी उन देश के निर्लज्ज नेता इसकी तनिक भी परवाह नहीं करते। शायद उन्हें देश की आवाम नहीं, सिर्फ आतंकवादियों के साथ ही अपना रिश्ता निभाना है। वे निभा भी रहे हैं। आजादी के बाद से लेकर आज तक पाकिस्तान ने भारत पर कितने हमले किए, कितने जख्म दिये, इसका उल्लेख करना यहां मुश्किल है। क्योकि, पाकिस्तान ने हमेशा भारत को गहरे जख्म ही दिए हैं। लेकिन, अभी हमारे देश के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को जिस अंदाज में सबक सिखाया, देश उनका तहे दिल से स्वागत कर रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के साथ भारत के खराब रिश्तों का भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कारण बताया है। उन्होंने कहा है कि यह सही है कि पाकिस्तान के साथ दुश्मनी भारत के फायदे में नहीं है। यह कोई चाहता भी नहीं है। लेकिन, पड़ोसी आपके शहर में हमला करेगा तो रिश्ते कैसे सामान्य रह सकते हैं। ऐसे में कहीं न कहीं लक्ष्मण रेखा तो खींचनी ही पड़ेगी। जयशंकर ने बीते दिनों भी पाकिस्तान को जमकर फटकार लगाई थी। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रोमोटर, प्रोटेक्टर और आतंक की इंडस्ट्री का स्पोक्सपर्सन तक करार दिया था। जयशंकर बोले थे कि आतंकवाद पर चर्चा करने के लिए आतंकवाद के पीड़ित साजिशकर्ताओं के साथ नहीं बैठ सकते हैं। जयशंकर ने दोबारा साफ किया कि बिलावल भुट्टो को सिर्फ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री के तौर पर न्योता दिया गया था। इससे ज्यादा कुछ भी नहीं है। जयशंकर ने भारत की मेजबानी लिए कहा कि 'अगर उनका मेहमान अच्छा है तो वह उतने ही अच्छे मेजबान भी हैं।' उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और आतंक का रिश्ता बहुत पुराना है। अंग्रेजों से मिली आजादी के पहले पाकिस्तान का कोई नामोनिशान नहीं था। लेकिन, मजहब के नाम पर देश का विभाजन हुआ और फिर पाकिस्तान भारत का नम्बर-1 दुश्मन देश बनकर उभरा। उसने पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यक (हिन्दू, सिख) परिवारों पर कितने जुल्म ढ़ाये, इसके बारे में कहने की शायद जरूरत नहीं। क्योंकि, आज भी वहां जो हिन्दू या सिख परिवार रहते हैं, वे नारकीय जीवन जीने पर विवश हैं। उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उनकी जो आबादी आजादी के समय थी, आज घटकर बहुत ही कम रह गई है। वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म ढ़ाये जा रहे हैं। लेकिन, दुनिया में उनकी सुनने वाला शायद कोई नहीं है। हालात ऐसे हैं कि पाकिस्तान के लोग आज दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। लेकिन, वहां के हुक्मरानों को यह नही दिखता। वे तो सिर्फ दुनिया को मोस्ट वांटेड आतंकवादियों को पनाह देने में लगे हैं। बार-बार वे जम्मू-कश्मीर का राग अलापते रहते हैं। लेकिन, इस बार भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जो उन्हें आईना दिखाया है, यह उनके लिए शर्मसार होने वाली स्थिति है। जरूरत इस बात की है कि आज भी पाकिस्तान के हुक्मरान वैश्विक हालात को समझें और अपने आचरण में सुधार करें, वरना संभव है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान नाम का देश विश्व के नक्शे से गायब हो जाएगा। क्योंकि, यह पाकिस्तान के अंदरूनी हालात भी बताते हैं।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

सिस्टम की भ्रष्ट 'छवि'

मां-बाप ने बड़े ही लाड़-प्यार से उन्हें पाला-पोसा। समाज में उनका ऊंचा नाम हो और बेटा देश की सेवा कर सके, इसके लिए आईएएस अफसर बनाया। लेकिन, वही बेटा जब आगे चलकर भ्रष्टाचार का पुजारी हो जाय और रिश्वतखोरी की पराकाष्ठा पार कर दे, तो यह न केवल उनके माता-पिता की उम्मीदों और उनकी प्रतिष्ठा पर कुठाराघात होता है, बल्कि समाज व देश के उस तंत्र को भी प्रदूषित कर देता है, जिससे आम जनता का सीधा जुड़ाव होता है। दुर्भाग्यवश भ्रष्टाचार का शिकार झारखंड इस मामले में लगातार सुर्खियों में है। पहले पूजा सिंघल और अब छवि रंजन। पूजा के बाद राज्य में भ्रष्टाचार के आरोप में ईडी की कार्रवाई में गिरफ्तार हुए छवि रंजन दूसरे आईएएस अधिकारी हैं। जांच में जो खुलासे हुए हैं, वह निश्चय ही सिस्टम की भ्रष्ट छवि की कहानी बयां करती है। बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को क्षेत्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया और इसके अगले ही दिन उन्हें कथित भूमि घोटाले के मामले निलंबित भी कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में ईडी के सभी सवालों का छवि रंजन सही से जवाब नहीं दे पाए।

2011 बैच के आईएएस अधिकारी और निलंबन से पहले तक समाज कल्याण विभाग के निदेशक का दायित्व संभाल रहे छवि रंजन को ईडी ने रांची के बरियातू रोड स्थित सेना की 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी दस्तावेज के आधार पर की गई खरीद-बिक्री सहित रांची के विभिन्न अंचलों में जमीन लुटेरों को संरक्षण देने के आरोप में 4 मई को लगभग 10 घंटे पूछताछ के उपरांत गिरफ्तार कर लिया था। आज वह आईएएस अधिकारी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा जेल में बंद हैं। ईडी की जांच में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। 2020 से 2022 तक रांची डीसी के रूप में छवि रंजन ने पद का दुरुपयोग किया। माफियाओं को लाभ पहुंचाया। कई निजी लोगों को फर्जीवाड़े में मदद की। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि चर्चित प्रेम प्रकाश के जरिए एक भूखंड को प्रतिबंधित सूची से हटाने के लिए उन्होंने एक करोड़ रुपए लिए। रांची के अलग-अलग अंचल कार्यालयों से किस्तों में उन्होंने ढाई लाख रुपए तक का 'नजराना' लिया था। इतना ही नहीं, अपनी भ्रष्टाचार-यात्रा के दौरान उन्होंने विष्णु कुमार अग्रवाल नामक शख्स से गोवा ट्रिप के लिए फंडिंग भी करवाई थी।

24 अप्रैल को पहली बार जमीन घोटाले में समन जारी होने के बाद छवि रंजन ईडी ऑफिस में हाजिर हुए थे। बता दे कि ईडी द्वारा तीसरे समन जारी होने पर वे ईडी ऑफिस में उपस्थित हुए थे। इसके बाद छवि रंजन को 4 मई को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। करीब 10 घंटे तक ईडी ने उसे पूछताछ की थी। इसके बाद रात करीब 10 बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

छवि रंजन को जिन मामलों में गिरफ्तार किया गया है उनमें न सिर्फ सेना की जमीन बल्कि हेहल अंचल, चेशायर होम सहित अन्य जमीनों के फजीर्वाड़े मे लिप्त पाया गया है। इस मामले में पूर्व में भी 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। अब तक ईडी के रांची स्थित जोनल कार्यालय में चार आईएएस अफसरों से पूछताछ हो चुकी है और मामले मे पूजा सिंघल के बाद यह दूसरी गिरफ्तारी है।

सूत्रों की मानें, तो झारखंड के पांच दर्जन आईएएस-आईपीएस व सैकड़ों अधिकारी खुफिया एजेंसी के रडार पर हैं। बोकारो, धनबाद, रांची, हजारीबाग व देवघर के कई डीसी, रांची नगर निगम के दो प्रशासक, उत्तरी छोटागपुर क्षेत्र के एक आईजी, तीन डीआईजी, सात एसपी, कोल्हान क्षेत्र के छह आईपीएस, कोयला क्षेत्र के दो आईपीएस तथा रांची प्रक्षेत्र के चार आईपीएस के दस्तावेज भी हाल तक खंगाले जा चुके हैं। इसमें यह सूचना आ चुकी है कि इन्होंने पटना, नोएडा, बेंगलुरू, कोलकाता, रांची, हजारीबाग, जमशेदपुर, मुंबई तथा बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश सहित देश के 9 राज्यों में अपना इंवेस्टमेंट कर रखा है।

यहां बड़ा सवाल है कि आखिर पैसे के लिए पढ़े-लिखे अधिकारी अपनी प्रतिष्ठा, अपनी नौकरी, परिवार की बदनामी किस तरह दांव पर लगाकर रुपए कमाए हैं। क्या यही प्रतिज्ञा उन्होंने पदभार ग्रहण करते समय ली थी? जाहिर है, नहीं। जिन अधिकारियों पर जनता का भरोसा टिका होता है, वो ही अगर इस तरह भरोसा तोड़ दें, तो यह विश्वासघात किसी अपराध से कम नहीं। ऐसी दागदार अफसरशाही पर यकीनन सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि लोकतंत्र के अहम स्तंभ कार्यपालिका की छवि स्वच्छ हो सके और जनता का विश्वास बना रह सके।

– प्रस्तुति : गंगेश

नेता बन गए खास

बनते बनते आम जनों के,
नेता बन गए खास।
चर्चा है कि शीशमहल में,
कर रहे अभी निवास।।

महल में पत्थर कोटि-कोटि के,
लाख-लाख का पर्दा।
मीडिया वालों ने न माना,
कर ही दिया बेपर्दा।।

आम आदमी मीडिया वालों,
के हैं शुक्रगुजार।
शीशमहल का इनलोगों के,
कारण हुआ दीदार।।

नयन तृप्त हुए आम जनों के,
दिल को मिला सुकून।
हो भी क्यों न उनके,
विश्वासों का हुआ जो खून।।

करने आए कीचड़ में घुस,
राजनीति को साफ।
खुद ही कीचड़ बन गए,
साफ करेंगे खाक!

सबको मालूम झूठ बोलते,
हैं ज्यादातर नेता।
सबको पीछे छोड़ चुके हैं,
आम जनों के नेता।।

राजनीति कुछ अलग करेंगे,
था जन-जन को आस।
लेकिन रंग गए? उसी रंग में,
जन-जन हुए निराश।।
हरिश्चंद्र सा रूप देख,
था मैं भी बना समर्थक।
रंग बदलते देख लग रहा,
सब कुछ हुआ निरर्थक।।

ढ़ीली कमीज,चप्पल हवाई न,
नहीं रहे अब खांस।
गले की मफलर आम जनों के,
गले की बन गई फांस।।

आम जनों की हो या न हो,
खुद का हुआ विकास।
शीशमहल में अब बैठकर,
ले रहे चैन की सांस।।

देश में आमजनों, दीनों के,
नेता बहुत अमीर।
हो भी क्यों न बेच दिया हो,
अपना अगर जमीर।।

– सुधीर कुमार झा
कोलकाता।

बरकरार रखें उपलब्धियों का सिलसिला : अमरेंदु

प्रोत्साहन... निदेशक प्रभारी ने बीएसएल में विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार व क्यूसी सम्मेलनों के विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास केंद्र में शनिवार को बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में आईसीक्यूसीसी (हैदराबाद)-2021, आईसीक्यूसीसी (जकार्ता)-2022, एनसीक्यूसी-21, एनसीक्यूसी-22, राष्ट्रीय विश्वकर्मा पुरस्कार-2018, 5-एस नेशनल कॉन्क्लेव-2022, सीआईआई प्रोडक्टिविटी अवार्ड, तथा निबंध, स्लोगन, एलोक्यूशन एवं क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. रंगानी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अन्य वरीय अधिकारी, बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के अधिकारी सहित पुरस्कार विजेता उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी ने सभी का स्वागत करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में बताया। निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने पुरस्कार विजेताओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी और उन्हें इसी उत्साह से आने वाले समय में इस उपलब्धि के इस क्रम को और आगे ले जाने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि आईसीक्यूसीसी (हैदराबाद)-2021 में क्यू सी-2013 (डी एन डब्ल्यू) को पार एक्सीलेंस, एलक्यूसी -06 (सीओ एवं सीसी) को पार एक्सीलेंस, क्यू सी-295 (डब्ल्यूएमडी) को पार एक्सीलेंस तथा क्यू सी -1818 (जीएम-एम) को एक्सीलेंस, तथा आईसीक्यूसीसी (जकार्ता)-2022 में क्यू सी-252(आई एवं ए) को पार एक्सीलेंस, क्यूसी-404 (सीबीआरएस) को पार एक्सीलेंस तथा क्यूसी-200 (सिंटर प्लांट) को पार एक्सीलेंस प्राप्त हुआ था। बीएसएल के कैपिटल रिपेयर (मैकेनिकल) की टीम को विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार-2018 का विजेता घोषित किया गया था। 5-एस नेशनल कनक्लेव-2022 में भी प्लांट की क्यू सी-1627 (सी आर-इलेक्ट्रिकल) को पार एक्सीलेंस, एलक्यूसी-06 (सीओ एवं सीसी) को पार एक्सीलेंस, सामग्री प्रबंधन (स्टोर) की टीम को एक्सीलेंस तथा ईआरएस की टीम को एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया था। एनसीक्यूसी-22 में 17 क्वालिटी सर्किल टीमों को पार एक्सेलेंस तथा तीन क्वालिटी सर्किल टीमों को एक्सेलेंस अवार्ड प्राप्त हुआ था।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सेलेंस) बी बनर्जी तथा पुरस्कारों की उद्घोषणा वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) दिव्यानी चक्रवर्ती ने की।

इंस्पायर अवार्ड मानक नवोन्मेषी तकनीक से की मदद का मकसद लाया रंग, सरकार देगी 25 हजार रुपए

जिले से एकमात्र डीपीएस बोकारो के अभिनीत का एंटी शेकिंग स्पून प्रोजेक्ट नेशनल के लिए चयनित

- राष्ट्रीय प्रदर्शनी में जापान टूर और 50 हजार रुपए के इनाम के लिए अब होगी प्रतिस्पर्द्धा

संवाददाता

बोकारो : समाज और मानव-हित का ध्येय जब विज्ञान से जुड़ जाता है, तो सही अर्थों में विज्ञान की सार्थकता होती है। यह सिद्ध कर दिखाया है डीपीएस बोकारो के होनहार विद्यार्थी अभिनीत शरण ने। 10वीं कक्षा के छात्र अभिनीत ने अपनी नवोन्मेषी सोच और तकनीक के जरिए बुजुर्गों की मदद का जो प्रयास किया, वह एक बार फिर रंग लाया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत उसका प्रोजेक्ट ईट-वेल- एंटी शेकिंग स्पून फॉर ओल्ड पीपल राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी के लिए चयनित कर लिया गया है। रांची के नामकुम में झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) परिसर में आयोजित इंस्पायर अवॉर्ड मानक की दो-दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी सह कार्यशाला के दौरान पूरे जिले से एकमात्र अभिनीत का यह प्रोजेक्ट योजना की राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए चयनित हुआ। जिले से 21 और पूरे झारखंड से 158 प्रतिभागी इसमें शामिल हुए थे। सभी ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा दिखाई, परंतु अंतिम रूप से अभिनीत सहित कुल 14 प्रतिभागी नेशनल के लिए चुने गए। उन्हें प्रमाणपत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। राज्य स्तर पर मिली इस कामयाबी के लिए उसे भारत सरकार की ओर से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, ताकि वह अपने प्रोजेक्ट को और अच्छी तरह से तैयार व पूरा कर सके। इसके पूर्व जिला स्तर पर सफलता के लिए उसे 10 हजार रुपए का इनाम मिला था। बुजुर्गों में हाथ

कांपने की समस्या के निदान को लेकर बनाए गए अपने इस प्रोजेक्ट के बूते अभिनीत अब देशभर के अन्य 59 प्रतिभागियों के साथ दो माह बाद जापान टूर और 50 हजार रुपए के नकद पुरस्कार के लिए योजना की अंतिम प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा।

विदित हो कि वृद्धावस्था में हाथ कांपना बुजुर्गों में आमतौर पर एक बड़ी समस्या है। इसे पार्किंसन रोग कहते हैं। इससे ग्रसित बुजुर्गों के हाथ खाना खाते समय न कांपे और भोजन का निवाला सीधे उनके मुंह तक जा सके, इसके लिए अभिनीत ने एंटी शेकिंग स्पून का इजाद किया है। शिक्षिका निमिषा रानी एवं बीएसएल अधिकारी नवनीत शरण के पुत्र अभिनीत को अपने दादा अखिलेश शरण की शारीरिक परेशानी देखकर यह आइडिया सूझा था।

उसकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने अभिनीत के यहां लौटने पर शनिवार को उसे बधाई दी तथा राष्ट्र स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो विद्यार्थियों की वैज्ञानिक चेतना व प्रतिभा के विकास को लेकर कटिबद्ध रहा है। इस तरह की उपलब्धियां इसी कटिबद्धता के सुखद परिणाम हैं। राज्यस्तरीय उक्त प्रदर्शनी के पहले दिन प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन व सलेक्शन का दौर चला। वहीं, दूसरे दिन नेशनल के लिए चुने गए प्रतिभागियों को ओरिएंटेशन सेशन के दौरान आगामी प्रस्तुतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में अभिनीत के साथ उसके गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी भी शामिल हुए।

पूरे राज्य से चुने गए ये प्रतिभागी

अभिनीत शरण (बोकारो), युवराज दास (चतरा), मो. इरशाद हुसैन (धनबाद), अयान हुसैन (धनबाद), नंदिनी कुमारी (गोड्डा), विनीता (गुमला), अर्पिता कुमारी (हजारीबाग), सोनाक्षी कुमारी (पलामू), जसमती सुंडी (प.सिंहभूम), समर्थ पांडेय (पू.सिंहभूम), राजप्रिया कुमारी (रांची), सानिया खातून (रांची), परवेज अशरफ (साहिबगंज) एवं दीप सिंह (सरायकेला-खरसांवा)।

क्या है इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना

प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की खोज में नवाचार (इंस्पायर) योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसका उद्देश्य कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों को पढ़ाई में प्रेरित करने के साथ उनमें रचनात्मकता व नवीन सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और सामाजिक अनुप्रयोगों में निहित मूल विचारों अथवा नवाचारों को लक्षित करना है। इंस्पायर अवार्ड मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज) योजना के अंतिम चरण में राष्ट्रीय स्तर पर देशभर से विभिन्न राज्यों के कुल 60 प्रतिभागी चुने जाएंगे। उन्हें सरकार की ओर से जापान टूर का मौका मिलेगा और 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी मिलेगा।

आवासों पर अवैध कब्जे के खिलाफ कसा शिकंजा

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात प्रबंधन के आवासों पर अवैध रूप से कब्जा के खिलाफ इन दिनों लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। एक सप्ताह के भीतर 31 आवासों को खाली कराया गया। बीएसएल (बोकारो स्टील लिमिटेड) के संपदा न्यायालय के आदेश पर सघन अभियान चलाया गया। बुधवार को सेक्टर- 2, 3 और 12 में 10 आवास खाली कराए गए। इसके बाद गुरुवार और शुक्रवार भी लगातार अभियान चला और दो दिनों में 21 आवासों से अवैध कब्जा हटाकर उनके सामान भी जब्त कर लिए गए। सम्पदा न्यायालय, बोकारो द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार और शुक्रवार को सेक्टर-3, सेक्टर- 6, सेक्टर- 8 और सेक्टर-11 में 21 क्वार्टरों को सील कर दिया गया। सेक्टर- 3ए में आवास संख्या 0276, 0572, 0710, 0115, 0215, 0216, 0217, 0066, सेक्टर-3डी में क्वार्टर नंबर 0717 को खाली कराया गया।

इसी प्रकार, सेक्टर- 6बी में 4090, 4095 एवं 4096, सेक्टर- 06सी में आवास संख्या 2165, सेक्टर-8सी में 1068, 2359 व 3022, 08डी में 2155, सेक्टर-11ए में 1092, 11सी में 3131, 3149 एवं 3162 को खाली कराकर संपदा न्यायालय द्वारा उनके सामान जब्त किए गए। इस अभियान के दौरान दंडाधिकारी के रूप में प्रवीण रोहित कुजूर उपस्थित थे। उनकी मौजूदगी में होमगार्ड के जवानों की मदद से यह कार्रवाई की गई।

इधर, अवैध पानी कनेक्शन को हटाने की भी कार्रवाई

आवासों के साथ-साथ अवैध वाटर कनेक्शन के खिलाफ भी प्रबंधन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। सेक्टर 11 के आवासों में जलापूर्ति पाइपलाइन से आसपास की बस्ती के लोगों द्वारा अवैध रूप से पानी लिए जाने की शिकायतों पर बीएसएल जलापूर्ति विभाग की टीम ने जीएम एके सिंह के नेतृत्व में पानी के कई अवैध कनेक्शन हटाए।

सियासत... सरयू राय ने सरकार के शीर्ष पर बैठे नेताओं पर साधा निशाना, कहा-

झारखंड में कानून-व्यवस्था ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 'राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। राज्य मंत्रिपरिषद का एक सदस्य गैर-कानूनी कार्य कर रहा है और मुख्यमंत्री उसे रोक नहीं पा रहे हैं। राज्य के कई जिलों में बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध उत्खनन हो रहा है। इसे लेकर मैंने राज्यपाल जी से अनुरोध किया है कि वे केन्द्र सरकार को अपनी रिपोर्ट दें और राज्य में संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत कार्रवाई की सिफारिश करें।' यह कहना है राज्य सरकार के पूर्व मंत्री एवं जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय का। बोकारो परिसदन में एक पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा- मैंने राज्यपाल से मिलकर उन्हें राज्य की स्थिति के बारे में अवगत कराया है। मैंने उन्हें बताया कि आपकी कैबिनेट का एक मंत्री गैर-कानूनी काम कर रहा है और यह जो सरकार है मुख्यमंत्री की, वह उसे रोक नहीं पा रही है। तो जब कानून का शासन नहीं रहता है और शीर्ष पर बैठे लोग कानून की अवहेलना करते हैं तो इसे कौन रोकेगा? इसके लिए ही तो संविधान में अनुच्छेद 356 का प्रावधान किया गया है। मैंने उनसे कहा कि इस कैबिनेट के एक मंत्री श्रीमान बन्ना गुप्ता जी ने प्रतिबंधित मार्का की पिस्टल अपने पास रखी है। 27 जनवरी 2023 को भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखा है। कोलकाता के ए जे विश्वास हैं, जो इसके डीलर हैं देश भर में, उनके यहां से कुछ पिस्तौल लोगो को बेची गई है। यह पिस्तौल केवल सेना इस्तेमाल कर रही है, पुलिस के बड़े अधिकारी इस्तेमाल कर रहे हैं, सिविलियन के इस्तेमाल के लिए इसका टेस्ट नहीं हुआ है अभी तक। यह रखना अवैध है, तो जो भी शासन-प्रशासन है, यह पिस्तौल जिसके यहां हैं, उसको जब्त करे, जब्त करके सरकारी मालखाना में रखवाये। वे आर्म्स एक्ट की अवहेलना ये कर रहे हैं और इसमें अगर पुलिस एफआईआर करती है तो कम से कम सात साल की सजा का प्रावधान है इस मामले में। यह बढ़ाकर 14 साल तक जा सकती है।

'वायरल वीडियो की हो जांच'

श्री राय ने कहा कि दूसरी बात राज्यपाल जी मैंने कही कि बन्ना गुप्ता का किसी महिला के साथ एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अश्लील वार्ता हो रही थी। जब यह मामला बाहर आ गया है तो हमने कहा कि इसकी जांच कराएं। बन्ना गुप्ता ने सीनियर एसपी से कहा कि इसकी जांच कराएं। एफआईआर हो गया है, लेकिन एक कदम भी जांच आगे नहीं बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को लेकर मैं राज्यपाल जी से नहीं मिला था, यह शासन-व्यवस्था जिस रास्ते पर जा रही है, उसे लेकर मैंने शिकायत की। समय आ गया है, इसको करना चाहिए। श्री राय ने कहा कि यहां मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी है। सरकार कुछ भी उचित-अनुचित करती है तो विपक्षी दल का दायित्व होता है कि उसे टेकअप करे। नागरिक प्रदूषण से दामोदर को बचाने के लिए दूसरा आंदोलन 30 मई से शुरू करने की भी बात कही। उनके साथ सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, महेंद्र सिंह, डॉ. रतन केजरीवाल, ओम प्रकाश सिंह टीनू, राजीव सिन्हा, पंकज राय, संजय सिंह आदि रहे।

कोयला ढुलाई से प्रदूषण की मार झेल रहे छह पंचायतों के लोग

बोकारो : बोकारो रेलवे गुड्स साइड से कोयले की ढुलाई के कारण उड़ रही छाई से आसपास की छह पंचायतों और सिवनडीह पुरानी मस्जिद इलाके में प्रदूषण फैल रहा है। इससे जनता के साथ-साथ प्रकृति भी त्रस्त है। इलाके के पेड़ पौधों पर कोयले की धूल जम गई है। हरे-भरे पत्ते काले हो गए हैं। आसपास बसे घरों में धूल उड़ने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सिवनडीह गांव के लोगों ने एक स्वर में गुड्स साइड में कोयले की ढुलाई से उड़ रही धूल पर रोक लगाने की मांग की है। स्थानीय निवासी सह- युवा समाजसेवी मो. अफजल खान ने कहा कि प्रदूषण के कारण लोग त्रस्त हैं। लोग धूल के कारण दमा जैसी बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। सड़क किनारे के घरों, दुकानों में लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। बांसगोड़ा पश्चिमी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रौनक अफरोज ने कहा कि गुड्स साइड की मस्जिद दूर से साफ-सुथरी नजर आती थी, लेकिन जब से यहां से कोयले के रैक की लोडिंग और अनलोडिंग शुरू हुई है, उसके बाद मस्जिद की हालत लगातार खराब होती चली गई। मस्जिद के किनारे से ही बड़े-बड़े ट्रक 24 घंटे गुजरते हैं, जिनके कंपन से दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं रेलवे डीआरएम से इस क्षेत्र से कोयला ढुलाई पर रोक लगाने की मांग की है।

अपील बोकारो में बढ़ती आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा पर परिचर्चा आयोजित

स्वस्थ जीवन के लिए मोटा अनाज अपनाएं : डॉ. सत्येन्द्र

संवाददाता

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में खुशहाल बोकारो के सौजन्य से बढ़ती आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा के मुद्दे पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के बाल विकास समूह, आंगनवाड़ी केन्द्रों की सेविका, सखी बहिनपा मिथिलानी समूह सहित कई अन्य संगठन से जुड़े लोगों ने ग्रामीण किसानों के साथ भविष्य में बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य के लिए खाद्य सुरक्षा के लिए मोटा अनाज अपनाने, उगाने और सही तरीके से मोटा अनाज (मिलेट) के सभी प्रकार के व्यंजन बनाने को लेकर प्रशिक्षण विषय पर जानकारों ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंडिया मिलेट इनिशिएटिव के संस्थापक चेयरमैन डॉ सत्येन्द्र यादव थे। अपने संबोधन में डॉ यादव ने विभिन्न प्रकार के मोटा अनाज की विशेषता की महत्वपूर्ण जानकारी दी और कहा कि गेहूं का कम, मोटा अनाज का अधिक उपयोग करने से सभी प्रकार के कौशल तत्व शरीर को मिलते हैं और कठिन बीमारियों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने अपने साथ लाए मिलेट (मोटा अनाज) के अनेकों परिष्कृत खाद्य पदार्थों के नमूने प्रदर्शित किए, जिसने सबों को आश्चर्यचकित कर दिया और उनमें उसे प्राप्त करने की उत्सुकता बढ़ा दी।

आरंभ में सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की जिला संचालिका व मिथिला महिला समिति की संस्थापिका अमिता झा और खुशहाल बोकारो के संस्थापक, सामाजिक कार्यकर्ता अमरेन्द्र कुमार झा (सेवानिवृत अभियंता) ने मिथिला की मधुबनी पेंटिंग के पाग और दोपटा उनका स्वागत कर परिचय कराया। बाल विकास सेविका ने आईसीडीएस के अनेक स्वादिष्ट व्यंजन अनेक प्रकार के उपलब्ध अनाज, फल, फूल से बनी सामग्रियां प्रदर्शित की, जिसे डॉ यादव ने झारखंड की विशेष उपलब्धि कही। केवीके (बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी) पेटरवार के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने इस महत्वपूर्ण फसल की सभी प्रकार की ट्रेनिंग और नए अनुसंधान से प्राप्त नई तकनीक की जानकारी सभी को कभी भी देने का आश्वासन दिया। आशालता नर्सरी के संस्थापक आधुनिक कृषि विधि के प्रचार प्रसार में संलग्न बीएसएल के महाप्रबंधक अंजनी सिन्हा ने आधुनिक कृषि व्यवस्था की जानकारी को सभी को देकर प्रशिक्षण देने की पेशकश की। मौके पर सीडीपीओ ममता साह और रीना गुप्ता, गुलाब चन्द्र, मीरा मिश्रा, कुंदन किशु, महिला पर्यवेक्षिका सुनीता कुमारी, शालिनी कुमारी, सेविका बिंदु कुमारी, कुमारी इंदु सहित करुणा सिंह, उषा झा, नूतन, संगीता, सबिता, नमिता, मीरा मिश्र, पूनम आदि उपस्थित थीं।

हफ्ते की हलचल

फिर गुलजार हुआ जैविक उद्यान, दो तेंदुए भी मिले

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने जवाहर लाल नेहरू जैविक उद्यान में नवीकृत जल जीव विहार (अक्वेरियम) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, सीआर महापात्रा, सुरेश रंगानी, राजन प्रसाद व अधिशासी निदेशक जे. दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (नगर प्रशासन) बी एस पोपली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी बी करुणामय सहित नगर प्रशासन व अन्य विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित थे। नवीकृत जल जीव विहार में लगभग 50 अक्वेरियम हैं, जिनमें 40 से अधिक प्रकार की मछलियां तथा अन्य जल जीव हैं। सभी अक्वेरियम का रिपेयर कर उन्हें पूरी तरह से नया लुक दिया गया है, जो लोगों के लिए न सिर्फ आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि जल जीवों के बारे में आम लोगों को जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा एनिमल एक्सचेंज के प्रावधानों के तहत जैविक उद्यान बोकारो में रांची की चिड़ियाघर से दो नर तेंदुआ भी लाए गए हैं। इसके बदले रांची चिड़ियाघर को जैविक उद्यान बोकारो से दो मादा तेंदुआ दिए गए हैं।

एनआईए की दबिश के बाद हड़कंप, नेताओं की इंट्री रुकी

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल एवं महुआटांड़ थाना क्षेत्र में बीते दिनों रांची एनआईए के डीएसपी अजय कुमार सिन्हा एवं उनकी टीम के सदस्यों ने छापेमारी की। छापेमारी में बेरमो अनुमंडल के बोकारो थर्मल, बेरमो, पेटरवार, गोमिया, पेंक नारायणपुर, बालीडीह एवं बोकारो के विभिन्न थानों के पुलिस पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में सैट के जवान शामिल थे। रांची एनआईए की टीम सबसे पहले बोकारो थर्मल निशन हाट स्थित मजदूर संगठन समिति के केंद्रीय महासचिव बच्चा सिंह के आवास संख्या- एचएमडी 50 डी एवं नागेश्वर महतो के आवास संख्या एचएमडी- 36 ए सहित निशन हाट झोपड़पट्टी स्थित संजय तुरी के निजी आवास पर मंगलवार की सुबह लगभग पांच बजे एक साथ छापेमारी की। इस दौरान टीम ने बच्चा सिंह का वर्तमान एवं पूर्व के मोबाइल, यूनियन के बैनर, पोस्टर आदि जब्त किए। टीम ने महुआटांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत अइयर निवासी अनिल हांसदा के घर पर भी छापेमारी की। मजदूर संगठन समिति को 22 दिसंबर 2017 को तत्कालीन राज्य सरकार के निर्देश पर पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था। इधर, एनआई की जांच पूरी होने तक मसंस के केंद्रीय महासचिव बच्चा सिंह, नागेश्वर महतो एवं संजय तुरी के आवास पर छापेमारी के बाद तीनों को डीवीसी पावर प्लांट में ड्यूटी पर जाने से गुरुवार से रोक लगा दी गयी है। इस कार्रवाई पर बच्चा सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार मजदूर के शोषण, दमन,अत्याचार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबाने में लगी हुई है।

डीपीएस चास में शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में कक्षा-नर्सरी से 9वीं तक के विद्यार्थियों के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक और अभिभावक बच्चों के शैक्षणिक विकास से संबंधित एक दूसरे की राय जानने को काफी उत्सुक दिखे। मौके पर डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी प्रतिभाशाली होता है। उनकी प्रगति में माता-पिता और शिक्षकों की उल्लेखनीय भूमिका होती है। उनके प्रोत्साहन बच्चों में निहित संभावनाओं को न केवल निखारते हैं, बल्कि जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए पंख भी देते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक और शिक्षकों के बीच निरंतर बातचीत करने की आवश्यकता होती है। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने कहा कि शिक्षक और माता-पिता मिलकर बच्चों में आत्मविश्वास जगाकर उनकी विशिष्टता को निखारते हैं।

चास रोटरी ने किया मजदूरों का सम्मान

बोकारो : मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में चास रोटरी क्लब द्वारा कामगारों का सम्मान किया गया। चास रोटरी के सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम श्रमिकों से श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में केक कटवाया गया। श्रमिकों ने केक काटकर आपस में एक-दूसरे को खिलाया। चास रोटरी क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने कहा कि समाज में कामगारों का बेहद महत्व है, परंतु समाज में उन्हें अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता है, रोटरी उन्हें सम्मान दे रहा है। चास रोटरी क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि कामगार हमारे समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। बैद ने कहा कि मजदूर हमारी हर सफलता का अभिन्न अंग हैं, जो समाज को मजबूती प्रदान करते हैं। आयोजन की सफलता में कमलेश जायसवाल, धनेश बंका, मुकेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, विनोद चोपड़ा का अहम योगदान रहा।

विवादों में बिहार की जातीय गणना

विशेष संवाददाता

पटना : बिहार में जाति आधारित जनगणना पर पटना हाईकोर्ट ने तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस मामले में अगली सुनवाई अब तीन जुलाई को होगी। तब तक हाईकोर्ट ने किसी भी तरह की रिपोर्ट बनाने पर रोक लगा दी गई है। दरअसल, बिहार में वर्तमान नीतीश सरकार द्वारा कराई जा रही यह जातीय जनगणना शुरू से ही विवादों में रही है। इसके खिलाफ दायर याचिका में राज्य सरकार के अधिकार को चुनौती देते हुए यह कहा गया है कि बिहार सरकार को इसे कराने का संवैधानिक अधिकार ही नहीं है।

सच्चाई यह है कि राजनीति के चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार हर फैसले में अपना राजनीतिक फायदा देखते हैं। इसी वजह से उन्होंने दो चरणों में जातीय जनगणना का काम पूरा करने का ऐलान किया था। अभी इसका दूसरा चरण चल रहा है। पहले चरण का काम जनवरी, 2023 में पूरा हो गया था। फिर 15 अप्रैल से दूसरे चरण की शुरूआत हुई, जिसे 15 मई तक पूरा करना था। पहले चरण में लोगों के घरों की गिनती की गई। इसकी शुरूआत पटना के वीआईपी इलाकों से हुई। जबकि, दूसरे चरण में जाति और आर्थिक जनगणना का काम शुरू हुआ। इसमें लोगों के शिक्षा का स्तर, नौकरी (प्राइवेट, सरकारी, गजटेड, नॉन-गजटेड आदि), गाड़ी (कैटगरी), मोबाइल, किस काम में दक्षता है, आय के अन्य साधन, परिवार में कितने कमाने वाले सदस्य हैं, एक व्यक्ति पर कितने आश्रित हैं, मूल जाति, उप जाति, उप की उपजाति, गांव में जातियों की संख्या, जाति प्रमाण पत्र से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। लेकिन, दूसरे चरण का काम पूरा होने से पहले ही पटना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को इस पर रोक लगा दी।

क्या होंगे राजनीतिक फायदे

एक बड़ा सवाल है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार चलाते रहे तो उन्हें इस जातीय जनगणना की याद क्यों नहीं आयी? अब जब नीतीश भाजपा से अलग होकर राजद के साथ सरकार चला रहे हैं तो उनकी सरकार आखिर राज्य में जातीय जनगणना क्यों करवाना चाहती है? इस मुद्दे पर जो बात खुलकर सामने आयी है, उससे साफ है कि नीतीश जातीय आधार पर बिहार के लोगों को बांटकर केवल वोट की राजनीति करना चाहते हैं। इससे सामाजिक जाना-बाना भले ही बिगड़ जाए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

हिन्दुओं को बांटने की साजिश

जानकारों की मानें तो इसके कई कारण सामने आ रहे हैं। पहला है राजनीतिक फायदा। दरअसल, बिहार में ओबीसी और ईबीसी मिलाकर कुल 52 प्रतिशत से अधिक आबादी है। कुछ जानकारों का यह दावा है कि बिहार में लगभग 14 फीसदी यादव हैं। कुर्मी चार से पांच प्रतिशत हैं। कुशवाहा वोटर की संख्या आठ से नौ प्रतिशत के बीच है। सवर्णों की बात करें तो राज्य में उनकी कुल आबादी 15 प्रतिशत है। इनमें भूमिहार 06 प्रतिशत, ब्राह्मण 05 प्रतिशत, राजपूत 03 प्रतिशत और कायस्थ की जनसंख्या 01 प्रतिशत बताई जा रही है। मसलन, बिहार में अति पिछड़ा वर्ग भी निर्णायक संख्या में है। ऐसे में पूरा खेल इन्हीं वोटों के लिए है। राजनीतिक दलों को इसमें फायदा दिखता है। उन्हें लगता है कि इसके जरिए धर्म की बजाय जाति के आधार पर वोट पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा फायदा जदयू और राजद गठबंधन को मिल सकता है।

भागीदारी के हिसाब से आरक्षण का दांव

बिहार में जातीय आधार पर आरक्षण की मांग बहुत पहले से की जा रही है। जातीय आधार पर चलने वाले संगठनों का नारा है कि जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। मतलब, आबादी के हिसाब से ही आरक्षण दिया जाए। ओबीसी वर्ग से आने वाले लोगों का कहना है कि जिस तरह एससी-एसटी को संख्या के आधार पर आरक्षण दिया जा रहा है, उसी उन्हें भी उनकी आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जाए।

पिछड़ों को मुख्यधारा में लाने की कवायद

जबकि, बिहार की वर्तमान सरकार का दावा है कि जातीय जनगणना की रिपोर्ट आने के बाद पिछड़े लोगों की सही संख्या मालूम पड़ेगी और उसी के हिसाब से उन्हें उन सुविधाओं का लाभ दिया जा सकेगा, जो अभी तक उन्हें नहीं मिल पा रही हैं। सरकार का यह भी दावा है कि आबादी के हिसाब से उनके लिए सरकारी योजनाएं बनाई जाएंगी, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाकर पिछड़े वर्ग के लोगों की जिंदगी बेहतर बनाई जा सके।

धार्मिक आधार ध्रुवीकरण की राजनीति

सच कहें तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार में साझेदार राजद के नेताओं को यह लगता है कि भारतीय जनता पार्टी अगर आज देश या कई राज्यों की सत्ता पर काबिज है तो इसका आधार हिन्दुत्व के नाम पर ध्रुवीकरण होना है। ऐसे में तुष्टिकरण की राजनीति के सहारे एक सम्प्रदाय विशेष के ज्यादातर वोट तो उनके पक्ष में मिलते ही हैं, फिर क्यों न भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति का जवाब जातिगत राजनीति के सहारे दिया जाय? कुल मिलाकर, बिहार में जातीय जनगणना का मकसद हिन्दुओं को आपस में बांटकर जातिगत आधार पर राजनीति का एक नया खेल खेलने के अलावा और कुछ नहीं दिखता है। वैसे, इस मुद्दे पर फैसला तो अब न्यायालय को ही करना है।

झारखंड में भी हो ब्राह्मण कल्याण निगम या आयोग का गठन : पांडेय

संवाददाता

रामगढ़ : विश्व ब्राह्मण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केसी पांडेय ने झारखंड सरकार व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पिछड़े व आर्थिक रूप से कमजोर ब्राह्मणों के कल्याण के लिए ब्राह्मण कल्याण कारपोरेशन अथवा आयोग बनाने की मांग की है। रामगढ़ में भगवान परशुराम जन्मोत्सव में भाग लेने आए श्री पांडेय ने प्रेसवार्ता के दौरान यह मांग की। कहा कि पूजा-पाठी व कर्मकाण्डी ब्राह्मण आज जीवन-यापन के लिये संघर्ष कर रहे हैं। कोविड महामारी के दौरान इस ब्राह्मण वर्ग को आर्थिक रूप से कठिन दौर से गुजरना पड़ा, क्योंकि शुभ कार्य व देश के सारे मंदिर बंद हो गये थे। पूजा-पाठ, शुभ कार्य, शादी-विवाह, यज्ञ, कर्मकांड, संस्कृति को बचाने, इनके संवर्द्धन व राष्ट्र निर्माण में इन ब्राह्मणों का बहुत योगदान है। अतः इनका ध्यान रखना सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री पांडेय ने बताया कि विषय की गंभीरता को देखते हुए आठ राज्यों में ब्राह्मण कल्याण कारपोरेशन/आयोग का गठन हो चुका है।

प्रतिनिधिमंडल शिबू सोरेन से मिला, सकारात्मक भरोसा

विश्व ब्राह्मण संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से भेंट कर झारखंड में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड बनाने का आग्रह किया। श्री सोरेन ने इस पर सहमति जताते हुए मांग को जायज बताया तथा इस दिशा में अपनी ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कहा कि जल्द ही सरकार को ब्राह्मण कल्याण बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से विश्व ब्राह्मण संघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजीव पांडेय, झारखंड प्रदेश मुख्य महासचिव प्रदीप कुमार शर्मा, नवीन पाठक संरक्षक, विजय पांडे आदि शामिल थे। इस आशय की जानकारी जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा एवं श्याम शर्मा ने संयुक्त रूप से दी।

झारखंड के डॉ. हाजरा बने 'इंडिया ब्रांड आइकॉन'

उपलब्धि... प्रख्यात एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट मुंबई में क्रिकेटर ब्रेट ली के हाथों ब्रांड आइकॉन अवॉर्ड से नवाजे गए

संवाददाता

रांची : एक्यूपंक्चर विधि से स्पाइन चिकित्सा में झारखंड को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलानेवाले डॉ. राजेन्द्र कुमार हाजरा की उपलब्धियों की फेहरिस्त में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। एक्यूपंक्चर पद्धति से इलाज के लिए उन्हें 'इंडिया ब्रांड आइकॉन 2023 अवॉर्ड' से नवाजा गया है। मेडिकल कैटेगरी में उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान मिला। डॉ. हाजरा को उनके द्वारा बिना सर्जरी गम्भीर से गम्भीर स्पाइन रोगियों की सफल चिकित्सा के लिए पिछले दिनों मुंबई स्थित फाइव स्टार होटल हॉलिडे इन में एक भव्य समारोह के दौरान विश्वविख्यात आस्ट्रेलियन लिजेंड क्रिकेटर ब्रेट ली ने सम्मानित किया। डॉ. हाजरा को ट्रस्टेड एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट ऑफ रांची, झारखंड ब्रांड आइकॉन 2023 के रूप में नवाजा गया।

नामचीन अभिनेताओं और हस्तियों के बीच हुए सम्मानित

मुंबई में आयोजित उक्त सम्मान समारोह के दौरान डॉ. हाजरा अभिनेता करणवीर बोहरा, अभिनेत्री और बिग बॉस सेलिब्रिटी श्रीजीता डे सहित कई नामचीन अभिनेताओं, जानी-मानी हस्तियों और देश के जाने-माने चिकित्सकों के बीच सम्मानित किए गए। उन्होंने साथ तस्वीरें भी खिंचवाई।

चार बार मिल चुकी है डॉक्टरेट की उपाधि

उल्लेखनीय है कि डॉ. हाजरा देश ही नहीं, पूरे विश्व में अपने कार्यों के लिए जाने जातें हैं। उन्हें एक्यूपंक्चर चिकित्सा विज्ञान के उनके अनुभवों को देखते हुए चार-चार बार मानद पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्रदान दी गई है। पिछले सप्ताह मां भुवनेश्वरी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय इन्दौर (एम पी) ने उन्हें डायरेक्टर ऑफ एडवाइजरी, प्रेसिडेंट काउंसिल एमबीईयू नियुक्त किया है।

श्रद्धा- जीवन की प्रसन्नता का सूत्र

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

यह वेद वाक्य है- मनुष्य अमृत का पुत्र है, अमृत ही उसका स्वरूप है, अमृत से ही उसका जन्म हुआ है, अमृत से ही उसकी स्थिति, गति, श्री, और वृद्धि है। अमृत-स्वरूप में स्थिति प्राप्त करने में ही उसके जीवन की सार्थकता है तथा अमृत स्वरूप में प्रतिष्ठा प्राप्त करने का उसको जन्मसिद्ध अधिकार है।

मनुष्य अमृत पुत्र है और अमृत सदैव प्रसन्नता देने वाला ही होता है। मनुष्य जीवन की सार्थकता यही है कि वह सदैव प्रसन्न रहे। पर, मनुष्य अपने आपको विचारशील प्राणी मानता है और वह प्रत्येक बात का अपनी बुद्धि से विश्लेषण करता है, अपना मूल्यांकन करता है और उसके मूल्यांकन का आधार होते हैं- क्या मैं जीवन में सुखी हूं या दुःखी हूं?

यह विचार करना ही जीवन में कभी प्रासंगिक नहीं होता। किसी भी स्थिति में मनुष्य सुख-दुःख की तराजू में अपने आप को नहीं तौल सकता है। सदा ही इस प्रश्न पर विचार करो कि क्या मैं प्रसन्न हूं या अप्रसन्न हूं? खुश हूं या नाखुश हूं?

प्रसन्न रहना अमृत का स्वरूप है। आपके पास क्या है? अब तक के बीते हुए जीवन के अनुभव। कुछ कड़वे अनुभव, कुछ मीठे अनुभव। अब इन अनुभवों के आधार पर अमृत रूपी प्रसन्नता के भाव में जाना चाहते हैं?

अब होगा क्या, आपके सामने भूतकाल के कड़वे अनुभव भी और सुखद अनुभव भी सामने आएंगे। तो ऐसा करना, अपने मन में सुखद अनुभव को उस स्थान पर स्थापित कर देना, जहां आप प्रसन्नता को स्थाई रूप से देखना चाहते हैं। जो सुन्दर अनुभव हैं, मीठे अनुभव हैं, वे आपके जीवन की छाया हैं। उस छाया में श्रद्धा उत्पन्न होती है। मूल बात यह है कि आपकी श्रद्धा अंध-श्रद्धा नहीं है। आपकी श्रद्धा सुखद अनुभवों की सुगंध है। जीवन में अनुभव और श्रद्धा का सहयोग न हो तो यह श्रद्धा पूर्ण रूप से अन्तर्मन में स्थापित नहीं हो सकती और यह मूल बात जान लो कि- श्रद्धा ही जीवन की प्रसन्नता का सूत्र है।

शिव सूत्र है कि- श्रद्धा का सहयोग ज्ञान से होना चाहिए। यदि आपकी श्रद्धा भय से युक्त है तो वह श्रद्धा आपकी शक्ति नहीं बन सकती। यदि आपकी श्रद्धा ज्ञान से युक्त है तो वह असीम शक्ति का भंडार बन सकती है। आप में असीम संभावनाएं उत्पन्न कर सकती है। ज्ञान-युक्त श्रद्धा शक्ति का स्रोत बन जाती है।

तो फिर बात कहां पहुंची? मन के भीतर। अमृत, प्रसन्नता, ज्ञान, सब मन के भीतर ही विकसित होते हैं। यहीं से भविष्य की कल्पनाएं और भविष्य की आशा प्रकट होती है। तो यह स्पष्ट है कि मनुष्य जीवन की दिशा सदैव अमृत की ओर ही होनी चाहिए और यह अमृत बाहर से नहीं मिल सकता। सब शक्तियों को अन्तर्शक्ति कहा गया है, जो मनुष्य में अन्तर्निहित है। तो यह जान लो कि मिलेगा तो भीतर ही। बाहर से केवल प्रतिक्रिया ही प्राप्त होगी। साधारण मनुष्य का जीवन बीत जाता है केवल और केवल प्रतिक्रिया करने में।

हम जीवन जीना चाहते हैं अमृत के लिए, प्रसन्नता के लिए, तो इसे प्रतिक्रिया में क्यों व्यर्थ ही नष्ट करें? इसके सृजन के लिए क्रिया आवश्यक है। तो अपने जीवन में प्रतिक्रियाओं को हटा दो और और सदैव क्रियाओं को स्थापित करो।

अब हमारे मन के बारे में विचार करते हैं। हमारा मन सभी प्रवृत्तियों का पुरोगामी है, अनुसरण करता है। अब इस मन में अमृत प्रवृत्तियों को स्थापित करना है या विष प्रवृत्तियों को स्थापित करना है? निर्णय तो आपको ही लेना पड़ेगा। अमृत प्रवृत्तियों का अनुसरण करेंगे तो मन में प्रसन्नता का साम्राज्य स्थापित हो जाएगा। एक छोटी सी बात सोचो! यदि हम दोष-युक्त मन से कोई वचन बोलते हैं या कर्म करते हैं तो सबसे पहले क्या होता है? दुःख हमारा वैसे ही अनुसरण करता है, जैसे किसी गाड़ी का चक्का खींचने वाले बैल का अनुसरण करता है। यह मन ही हमारी सभी प्रवृत्तियों का पुरोगामी है, अनुसरण करने वाला है।

यदि हमारे मन में किसी को दुःख देने का थोड़ा भी भाव है, उसके लिए हम क्या कर रहे हैं? दुःख का बीज पहले अपने हृदय में बो रहे हैं। अब दूसरों को दुःख देने का जो बीज है, वह गिरेगा कहां? आपके भीतर ही, मन की भूमि पर। किसी दूसरे के मन की भूमि पर तो वह बीज गिर नहीं सकता। अब बीज आपके भीतर है, वही तो वृक्ष बनेगा। तो फिर उसका फल कौन भोगेगा? हमें ही भोगना पड़ेगा। ... और विचित्र बात क्या हो गई, देना चाहते थे दूसरों को दुःख और सबसे पहले प्रारंभ कर दिया अपने आप को ही दुःख देना।

क्रोध करते हैं और क्रोध में किसी को नष्ट करना चाहते हैं, विध्वंस करना चाहते हैं, संहार करना चाहते हैं। अब वह तो होगा या नहीं, लेकिन सबसे पहले स्वयं अपने आप को ही संहार करना, नष्ट करना प्रारंभ कर दिया। अर्थात अपने भीतर के बीज को विस्तारित कर दिया।

जब बाह्य जगत तुम्हारे आंतरिक जगत का ही विस्तार है। यदि आंतरिक जगत आत्मभाव में प्रसन्नता रूपी अमृत का वातावरण है, तो बाह्य जगत में भी सब ओर प्रसन्नता और अमृत का ही वातावरण दृश्यमान होगा। उस अमृतमय वातावरण को अनुभव कर सकोगे और छोटी-मोटी बातों को दरकिनार कर अपने स्वयं के प्रश्न, अन्तर्ज्ञान की शक्ति से अपने जीवन की मधुर यात्रा पर निश्चिन्त भाव से विचरण कर सकोगे। फिर न अतीत के खण्डरों की व्यथा सताएगी और न ही भविष्य की असीम कल्पनाएं सताएंगी। इसके लिए चाहिए अमृत रूपी स्वास्थ्य। आप अपनी बीमारी, व्याधियों को समझ सकते हो और समझकर उसे मिटा भी सकते हो। पर स्वास्थ्य क्या है? जब कोई व्याधि ही न बचे, वह है स्वास्थ्य। स्वास्थ्य है अमृत, मन का स्वास्थ्य। उसे स्वस्थ बनाये रखने के लिए अपने मन की भावनाओं को श्रद्धा के साथ, प्रेम के मार्ग पर ले जाते रहो। मन भी स्वस्थ, तन भी स्वस्थ और जीवन यात्रा आनन्दप्रद...! मन में आनन्द भाव को विस्तारित होने दो...!

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

कई रोगों की कारगर औषधि भी है फलों का राजा आम

फलों का राजा आम फल के साथ ही औषधि के रूप में भी कारगर है। इसका मौसम आ चुका है और बाजार में अब कच्चा-पक्का दोनों आम मिलने लगे हैं। आयुर्वेद चिकित्सकों के अनुसार आम के पत्ते दांतों की बीमारी व पेचिश में काम आते हैं। लू से बचाव के लिए कच्चे आम का पना लाभकारी माना जाता है। इसकी गुठली में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है। आम उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कमजोरी, लो एनर्जी व वीक स्टेमिना की परेशानी से गुजर रहे हों। अगर आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो इसे कम-कम मात्रा में दिन में चार से पांच बार खाएं। आम को एक साथ अधिक मात्रा में खाना नुकसानदायक होता है।

अचार- आम का अचार सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। अचार के रूप में साल भर यह हमारे खाने में मौजूद रहता है। टिफिन तो इसके बिना अधूरा ही है। विभिन्न मसालों, नमक व तेल की मदद से कच्ची कैरी के छोटे टुकड़े काटकर अचार तैयार किया जाता है।

चटनी- बाजार में कच्ची कैरी आते ही सबसे पहले चटनी बनाने का क्रम शुरू हो जाता है। पुदीना, प्याज, गुड़ या शक्कर डालकर इसकी खट्टी-मीठी चटनी तैयार कर स्वाद लेकर खायी जाती है।

अमचूर- आम का फल सिर्फ गर्मियों में आता है, इसलिए सालभर इसकी कमी न खले, इसके लिए कच्चे आम की पतली-पतली फांकें काटकर इसे धूप में सुखा लिया जाता है। जब भी जरूरत हो, इसे पानी में उबालकर चटनी बनाई जा सकती है। अमचूर का उपयोग सांभर, कढ़ी सहित विभिन्न व्यंजनों में खट्टा स्वाद लाने के लिए भी किया जाता है।

आमरस व पना - कैरियों को उबालकर या आग में भूनकर उसके गूदे से बनाया गया पना हो या पके आम के गूदे से तैयार किया गया आम रस, दोनों ही व्यंजन गर्मियों में अधिकांश घरों में रोजाना ही मिल जाएंगे। बच्चे हों या बड़े, सभी इसे चाव से खाते हैं।

आम पापड़- साल भर पके आम का स्वाद पाना है तो इसके पके आम का रस या इसका गूदा धूप में सुखाकर आम पापड़ (अमावट) बनाया जा सकता है। आजकल यह मार्केट में आसानी से मिल जाता है। कैंडी व चॉकलेट के तौर पर भी इसे बहुत पसंद किया जा रहा है।

प्रस्तुति : शशि

घर-निर्माण में मिलेगी बेहतर मजबूती तेज सेटिंग और बेहतर कार्य-क्षमता

संवाददाता

बोकारो : प्रमुख भारतीय सीमेंट कंपनी, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) ने अपने नए ब्रांड, डालमिया सुप्रीम सीमेंट को लॉन्च करने की घोषणा की है। विशेष तौर पर पूर्वी राज्यों के लिए लॉन्च किए गए इस नए ब्रांड के तहत 1 मई, 2023 से झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार के बाजारों में खुदरा उपभोक्ताओं के लिए प्रोडक्ट की उपलब्धता हो सकेगी। यह प्रीमियम ब्रांड, उच्च गुणवत्ता वाले पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट (पीपीसी) प्रोडक्ट का प्रकार है, जो न सिर्फ बेहतर मजबूती, तेज सेटिंग और बेहतर कार्य क्षमता के तिहरे लाभ प्रदान करता है, बल्कि मजबूत और टिकाऊ घरों के निर्माण के लिए इसे एक सटीक विकल्प भी बनाता है। ब्रांड के प्रोडक्ट की बिक्री पूर्वी क्षेत्र में सभी मौजूदा खुदरा माध्यमों से की जाएगी।

ब्रांड के लॉन्च पर राजीव प्रसाद, सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हेड सेल्स, लॉजिस्टिक्स, टेक्निकल सर्विसेस और मार्केटिंग, डीसीबीएल, ने कहा, 'हम पूर्वी क्षेत्र में डालमिया सुप्रीम सीमेंट की पेशकश करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह नई पेशकश कंपनी के ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसके माध्यम से हम मजबूत, तेज और बेहतर निर्माण के लिए एक विशेष प्रोडक्ट की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डालमिया सुप्रीम सीमेंट की बेहतर मजबूती और स्थायित्व इसे होम कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के लिए आदर्श बनाते हैं। डालमिया सीमेंट का यह नया ब्रांड, हमारे स्थापित ब्रांड्स, जैसे- डालमिया डीएसपी सीमेंट, कोणार्क सीमेंट और डालमिया इंफ्रा प्रो के मौजूदा पोर्टफोलियो में शामिल है।'

डालमिया सुप्रीम सीमेंट अपनी श्रेणी का विशेष और सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट है। इसे हर तरह के निर्माण अनुप्रयोगों के लिए बेहतर कार्य क्षमता और उच्च घनत्व के साथ तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह रासायनिक हमलों के खिलाफ बेहतर प्रतिरोध प्रदान करता है। बेहतर मजबूती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे फाइन पोजोलानिक मटेरियल से बनाया गया है, जो कि निर्माण लागत को प्रत्यक्ष और सकारात्मक रूप से किफायती बनाते हुए तेजी से सेटिंग करने में सक्षम बनाता है।

एलपीपी की बेहतर पैकेजिंग इसे लम्बे समय तक टिकाऊ बनाना सुनिश्चित करती है। डालमिया सीमेंट पोर्टफोलियो के अनुरूप, इस नए प्रोडक्ट को भी गहन अनुसंधान और विकास के माध्यम से और आजीवन गुणवत्ता प्रदान करने के लिए आठ दशकों से अधिक की विशेषज्ञता के साथ तैयार किया गया है।

अपनी बेहतर मजबूती और स्थायित्व के साथ, डालमिया सुप्रीम होम कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के लिए आदर्श है और हमारे मौजूदा डालमिया डीएसपी सीमेंट का पूरक होने का वादा करता है, जो कि ढ़लाई विशेषज्ञ है। डालमिया सीमेंट (भारत) उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट की आपूर्ति करने के साथ ही ऑनसाइट सुपरविजन, इंजीनियरिंग सर्विसेस आदि के संदर्भ में बिक्री के बाद की सेवा देते हुए अपने ग्राहकों को बेहतर तकनीकी सेवाएं भी प्रदान करता है।

डालमिया का दृष्टिकोण पैन इंडिया सीमेंट कंपनी के रूप में खुद को स्थापित करने के साथ ही पूर्वी भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति को जारी रखना है। पूर्वी क्षेत्र के सभी चार प्रमुख राज्यों में कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स संचालित हो रहे हैं। पूर्व के अलावा, डालमिया सीमेंट (भारत) 41.1 मिलियन टन की स्थापित क्षमता के साथ देश में चौथी सबसे बड़ी सीमेंट निमार्ता कंपनी के रूप में दक्षिण, उत्तर पूर्व, पश्चिम और मध्य क्षेत्र में भी परिचालन करती है।

हिन्दी ही राष्ट्र की भाषा : राज्यपाल

पटना में 21 विद्वान 'विद्या-वाचस्पति' सम्मान से विभूषित

विशेष संवाददाता

पटना : हिन्दी भले ही राष्ट्र भाषा न बनायी गयी हो, पर यही राष्ट्र की भाषा है। इसके विकास में हम सबको मिलकर योगदान करना चाहिए, इस भावना के साथ यह 'मेरा काम है, किसी और का नहीं'। इनमें देश को एक सूत्र में जोड़ने की महान क्षमता है। ये बातें शनिवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के 42वें महाधिवेशन के उद्घाटन के पश्चात अपने संबोधन में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कही। राज्यपाल ने कहा कि साहित्य को समाज को प्रेरणा देने वाला होना चाहिए। जो समाज के लिए लाभकारी न हो, ऐसे साहित्य का क्या लाभ? उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा में संस्कृत का अधिक प्रचलन हुआ रहता तो दक्षिण भारत में इसकी स्वीकृति बहुत पहले हो चुकी होती। वह इसलिए कि दक्षिण की भाषाओं में संस्कृत शब्दों का बाहुल्य है। उन्होंने कहा कि साहित्य से नयी पीढ़ी को जोड़ा जाना चाहिए। विद्यार्थियों और बच्चों में पाठ्य पुस्तकों के साथ रचनात्मक साहित्य की पुस्तकें पढ़ने की आदत डाली जानी चाहिए।

सम्मेलन के संस्थापकों में से एक और भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा राजेंद्र प्रसाद के पुण्य-स्मृति-दिवस की षष्टि-पूर्ति को समर्पित इस महाधिवेशन के उद्घाटन-सत्र में सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने महामहिम को सम्मेलन की सर्वोच्च मानद उपाधि 'विद्या-वाचस्पति' से विभूषित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के कुलपति प्रो चक्रधर त्रिपाठी, सुप्रसिद्ध साहित्यकार और काशी-वाराणसी विरासत फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो राम मोहन पाठक, दूरदर्शन, बिहार के कार्यक्रम प्रमुख डा राज कुमार नाहर तथा काठमाण्डू, नेपाल की विदुषी हिन्दी सेवी प्रो कंचना झा सहित 21 विदुषियों और विद्वानों को, बिहार की महान साहित्यिक विभूतियों के नाम से नामित अलंकरणों से सम्मानित किया।

इसके पूर्व, आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वागताध्यक्ष और पूर्व सांसद डा. रवीन्द्र किशोर सिन्हा ने कहा कि 75 वर्ष स्वतंत्रता के हो गए, किंतु अभी तक हम हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित नहीं कर सके, यह अत्यंत दुःखदायी है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि साहित्य सम्मेलन देशरत्न की सेवाओं का ऋणी है।

इस क्रम में 'देशरत्न दा राजेंद्र प्रसादः उनकी हिन्दी सेवा और ग्रामीण-चेतना' एवं 'हिन्दी साहित्य में कृषक विमर्श' पर मंथन भी किया गया। अतिथि-सम्मान में रंगारंग कार्यक्रम भी हुए।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
गर्मी की दोपहर मौन है
पता नहीं अब किधर, कौन है
'लू' बरसाती फिरती आग
लगे, कहीं जायें हम भाग
आग लगे वन में अक्सर जब
गरम हवा पत्तों पर करती वार...
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
पेड़ों के नीचे महुआ के
आग लगाए जाते गा के
'चट-चट' कर जंगल जलता है
गर्मी में, यह तो खलता है
अक्सर फैलाता अग्नि को
बड़े भाग में वन में तेज बयार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

अब राजभवन गांव...

विद्यालय में 12वीं तक की पढ़ाई भी शुरू कराने को लेकर पहल करने का आश्वासन दिया। नई शिक्षा नीति के बारे में पूछे जाने पर राज्यपाल ने कहा कि यह बच्चों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करने में काफी सहायक है, जिसे लागू करने की वास्तव में आवश्यकता थी। कई वर्षों के प्रयास के बाद यह नीति लागू हो सकी है, जिसके हर पहलू को क्रियान्वित करने की जरूरत है।

व्याख्याताओं की कमी जल्द दूर होने के आसार

झारखंड के शैक्षणिक विकास में राज्यपाल ने यहां शिक्षकों, खासकर विश्वविद्यालयों में व्याख्याताओं की कमी को एक महत्वपूर्ण चुनौती बताया। कहा कि इसका समाधान जल्द निकाले जाने की आवश्यकता है। इस बावत पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जैसे उन्हें पता चला है कि 2008 से कोई नियुक्ति नहीं हुई, तो उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र लिखा। उन्होंने सीएम से एक नया पब्लिक सर्विस कमीशन तैयार कर विश्वविद्यालयों में पर्याप्त असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। उम्मीद है कि यह जल्दी पूरी होगी। इस क्रम में राज्यपाल ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभुकों के बीच सांकेतिक रूप से परिसम्पत्ति का वितरण भी किया। इस मौके पर जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उपविकास आयुक्त कीर्ति श्री, चास के अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित सभी वरीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। इसके पूर्व महामहिम को सम्मान गारद दिया गया। जबकि, विद्यालय में झारखंडी परम्परानुसार उनका स्वागत किया गया। गिरिडीह होते हुए बोकारो जिला पहुंचे राज्यपाल चपरी गेस्ट हाउस में भोजन के बाद सड़क मार्ग से राजभवन, रांची के लिए विदा हो गए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा*** प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

देश में एक और इमरजेंसी ?

ऑपरेशन 'शीश महल' पर केजरीवाल की बौखलाहट

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : पंजाब के लुधियाना में शुक्रवार की रात टीवी चैनल 'टाइम्स नाऊ' की महिला पत्रकार भावना किशोर के साथ जो कुछ भी हुआ, वह दर्शाता है कि केवल झूठ का सहारा लेकर दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मान बौखला गए हैं। अब उन्होंने पत्रकारों को अपना निशाना बनाया है। लुधियाना में एक पत्रकार के साथ हुई अभद्रता और उनकी गिरफ्तारी के जरिए वह बताना चाहते हैं कि उनसे भ्रष्टाचार को लेकर कोई सवाल न पूछे। अगर किसी पत्रकार ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसका ठिकाना जेल की सलाखों के पीछे होगा। हालांकि, हाईकोर्ट ने उस महिला पत्रकार भावना को शनिवार को अंतरिम जमानत दे दी और उनके जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया। लेकिन, पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक पत्रकार के साथ आम आदमी के नाम पर दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर बैठकर अंग्रेजी बादशाहत को मात देने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर जो सलूक किया है, उसने एक बार फिर से देश में इमरजेंसी की याद ताजा कर दी है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के साथ-साथ महिला आयोग ने भी इस मामले को काफी गंभीरता से लिया है।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से एक निजी टीवी चैनल की पत्रकार भावना किशोर को जमानत मिल गई है। उन्हें पंजाब पुलिस ने एक कथित एक्सीडेंट के मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, पंजाब पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लिए जाने को लेकर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने शनिवार को चिंता व्यक्त की और उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की थी। भावना किशोर पंजाब में अपने चैनल के लिए रिपोर्टिंग के लिए गई थीं। वहां कथित दुर्घटना के बाद पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया था।

गिल्ड ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बिना एक पुलिसकर्मी उन्हें एक कार में ले गया, जो कानून के खिलाफ है। साथ ही, इस बयान में कहा गया है कि लुधियाना पुलिस थाने में रिपोर्टर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी कुछ ज्यादा और अनुचित जल्दबाजी वाली प्रतीत होती है।

कई संगठनों ने की निंदा

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया सहित कई संगठनों ने रिपोर्टर, उनके कैमरापर्सन और उनकी कार के चालक की गिरफ्तारी की निंदा की है। पीसीआई ने रिपोर्टर की गिरफ्तारी को एक पत्रकार के अधिकारों पर जबरदस्त हमला करार दिया। मीडिया चैनल के अनुसार, उनकी पत्रकार को एक एक्सीडेंट केस में पुलिस ने पकड़ा, जबकि हकीकत में वह गाड़ी चला ही नहीं रहीं थीं। इसके बाद उन पर जातिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया। जिस पर चैनल ने पूछा कि आखिर उनकी पत्रकार किसी अंजान शख्स की जाति पर कैसे टिप्पणी करेंगी, जब वो उससे टकराईं ही रास्ते में थीं। हाईकोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी की है।

गुस्से में केजरीवाल

दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन दिनों कुछ ज्यादा ही गुस्से में हैं। कारण है उनका 'शीश महल'। जिस समय पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था, दिल्ली में सत्ता सिंहासन पर आने के बाद सरकारी बंगला, सरकारी गाड़ी, सरकारी सुरक्षा नहीं लेने का वादा करने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 'ऑपरेशन शीश महल' के बाद बौखला गए हैं। 'टाइम्स नाऊ' अपने पत्रकार पर हुई इस कार्रवाई को उनके 'ऑपरेशन शीशमहल' के बदले में लिया गया एक्शन मान रहा है। इस शो में चैनल ने दिखाया था कि कैसे आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास की साज-सज्जा में 45 करोड़ रुपए खर्च किए।

टाइम्स नाऊ ने अपने शो में भी आरोप लगाया कि ऑपरेशन शीशमहल के बाद उनके पत्रकारों से बदसलूकी की जा रही है। पहले उन्हें पीटा गया, उनके रास्ते रोके गए और अब एक पत्रकार को बीच रास्ते में हिरासत में ले लिया गया। चैनल ने बताया कि भावना को लुधियाना पुलिस ने हिरासत में लिया है। एक एफआईआर हुई है। उनपर बेवजह एससी/एसटी एक्ट लगा दिया गया है।

केजरीवाल की हैरतअंगेज चुप्पी

आश्चर्य की बात यह है कि इस सारे प्रकरण में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी साध ली है। खुद को देश का सबसे बड़ा ईमानदार बताकर दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने वाले अरविंद केजरीवाल आखिर मौन क्यों हैं। क्योंकि, उनकी कलई खुल गई है। घोटालों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। उनकी सरकार के दो मंत्री सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया आज जेल की सलाखों के पीछे हैं। अब उन्हें इस बात का डर सताने लगा है कि केन्द्रीय एजेंसियों की जांच का फंदा अब उनके गले पड़ सकती है। संभवतः इसीलिए वह बौखला गए हैं और पंजाब में एक महिला पत्रकार के साथ हुई उक्त घटना उसी बौखलाहट का नतीजा माना जा रहा है, क्योंकि केजरीवाल उस समय लुधियाना में ही किसी राजनीतिक कार्यक्रम में थे, जहां वह महिला पत्रकार उनसे सवाल पूछने गई थीं।